Shri-Mahalakshmi-Stavanam

श्रीमहालक्ष्मी-स्तवनम्

Document Information

Text title : Mahalakshmi Stavanam

File name : mahAlakShmIstavanam.itx

Category : devii, lakShmI, hkmeher

Location : doc_devii

Author : Harekrishna Meher meher.hk at gmail.com

Transliterated by : Harekrishna Meher

Proofread by : Harekrishna Meher

Description/comments : Svasti-Kavitanjalih (Sanskrit Gitikavya)

Acknowledge-Permission: Dr. Harekrishna Meher

Latest update : October 28, 2023

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

October 29, 2023

sanskritdocuments.org

श्रीमहालक्ष्मी-स्तवनम्

ॐ लक्ष्मीं नौमि रमाम् ।
कमले ! त्वां कमनीयां वन्दे हरि-रामाम् ।
ॐ लक्ष्मीं नौमि रमाम् ॥ (ध्रुवम्)॥

धात्री त्वमन्नपूर्णा भरणी त्वं जगताम् । (अयि !)
पातक-हरणीं मातः ! नौमि वरद-हस्ताम् ॥ १॥
ॐ लक्ष्मीं नौमि रमाम् ॥

अम्बुज-नयनां वन्दे कम्बु-गदादि-कराम् । (अयि !)
वरुणालय-सम्भूतां करुणा-स्नेहभराम् ॥ २॥
ॐ लक्ष्मीं नौमि रमाम् ॥

पद्मालयां नतोऽहं पद्ममुखीं पद्माम् । (अयि !)
सद्मासि त्वं महसां त्वं विजयसेतमाम् ॥ ३॥
ॐ लक्ष्मीं नौमि रमाम् ॥

दह दारिद्र्-यं दुःखं हर जालं विपदाम् । (अयि !)
अन्न-दायिनीं वन्दे महतां पूज्य-पदाम् ॥ ४॥
ॐ लक्ष्मीं नौमि रमाम् ॥

वन्दे वैभव-दात्रीं सुन्दरता-प्रतिमाम् । (अयि !)
त्वामरविन्दासीनां महेश्वरीं सौम्याम् ॥ ५॥
ॐ लक्ष्मीं नौमि रमाम् ॥

दिव्य-विभूषण-भव्यां जननीमभिरामाम् । (अयि !)
नारायणीं वरेण्यां वन्दे सिन्धुसुताम् ॥ ६॥
ॐ लक्ष्मीं नौमि रमाम् ॥

नौमि महालक्ष्मीं वै भुवनानां प्रिय-माम् । (अयि !)
हिरण्मयीं श्रीरूपां कृपामयीं परमाम् ॥ ७॥

ॐ लक्ष्मीं नौमि रमाम् ॥

दोषं मार्जय मातः ! भक्तिः स्वीक्रियताम् । (अयि !)
तुभ्यं नमस्स्तवोऽयं सौभाग्यं तनुताम् ॥ ८॥
ॐ लक्ष्मीं नौमि रमाम् ॥

स्तवनं देव्या लक्ष्म्याः वहतु मुदं नितराम् ।
मातृकृपा हृत-दैन्या रमयतु विश्वधराम् ॥ ९॥
ॐ लक्ष्मीं नौमि रमाम् ॥

(इति श्रीहरेकृष्णमेहेर-प्रणीतं श्रीमहालक्ष्मी-स्तवनं सम्पूर्णम् ।)

– गीतरचना : डॉ हरेकृष्ण-मेहेरः
(मौलिक-संस्कृत-गीतम्)

Copyright Dr.Harekrishna Meher

Shri-Mahalakshmi-Stavanam

pdf was typeset on October 29, 2023

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*